रविवार, 7 जून, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

भारतीय टी-20 टीम में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की एंट्री श्रेयस अय्यर बने कप्तान

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

अब पर्दे पर दिखेगा साहस का वह अध्याय

Page-05

दिल्ली हवाई अड्डे पर दिपके को डॉ. भीमराव अंबेडकर की आत्मकथा की प्रति हाथ में लिए देखा गया। इसके बाद वे जंतर-मंतर पहुंचे, जहां पहले से बड़ी संख्या में छात्र, प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थी और युवा मौजूद थे। प्रदर्शन के दौरान "धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो" और "युवाओं को न्याय दो" जैसे नारे लगाए गए।

जंतर-मंतर पर CJP का प्रदर्शन

भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की कमी और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग

राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर शनिवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके के नेतृत्व में हजारों छात्रों और युवाओं ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। यह आंदोलन कथित परीक्षा अनियमितताओं, भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की कमी और शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को लेकर आयोजित किया गया। अमेरिका से भारत लौटने के तुरंत बाद दिपके सीधे आंदोलन स्थल पहुंचे और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को एक बार फिर जोरदार तरीके से उठाया।दिल्ली हवाई अड्डे पर अभिजीत दिपके को डॉ. भीमराव अंबेडकर की आत्मकथा की प्रति हाथ में लिए देखा गया। इसके बाद वे जंतर-मंतर पहुंचे, जहां पहले से ही बड़ी संख्या में छात्र, प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थी और युवा एकत्रित थे। प्रदर्शनकारियों ने "धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो", "युवाओं को न्याय दो" और "परीक्षा प्रणाली में सुधार करो" जैसे नारे लगाए।प्रदर्शन के दौरान कई छात्रों ने NEET परीक्षा में कथित पेपर लीक, CBSE मूल्यांकन प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों तथा विभिन्न सरकारी भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की। छात्रों का कहना था कि लगातार सामने आ रहे विवादों से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और उनकी मेहनत पर प्रश्नचिह्न लग रहा है।अपने संबोधन में दिपके ने कहा कि देश के युवाओं की आवाज को दबाया नहीं जा सकता और सरकार को शिक्षा तथा रोजगार से जुड़े मुद्दों पर जवाबदेही तय करनी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा, लेकिन यदि मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो इसे राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा।दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन के लिए निर्धारित समय तक अनुमति प्रदान की थी तथा पूरे जंतर-मंतर क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रदर्शन में शामिल युवाओं का कहना था कि उनकी मांग केवल निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और योग्य उम्मीदवारों को न्याय दिलाने की है। इस आंदोलन को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी व्यापक समर्थन मिला, जहां हजारों लोगों ने छात्रों की मांगों के पक्ष में अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कराई।

- **अभिजीत दिपके ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई और शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया।**
- **छात्रों ने NEET पेपर लीक, CBSE मूल्यांकन विवाद और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यवस्था की मांग उठाई।**

संकरी गलियां और सुरक्षा नियमों की अनदेखी बनी काल

दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में हाल ही में हुई भीषण आग की घटना ने राजधानी में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जिनमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे। घटना के बाद सामने आए सरकारी आंकड़ों ने स्थिति की भयावहता को और उजागर कर दिया है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 से मार्च 2026 तक दिल्ली में आग से जुड़ी घटनाओं में कुल 543 लोगों की जान जा चुकी है।दिल्ली सरकार और दिल्ली फायर सर्विस (DFS) के आंकड़ों के मुताबिक, केवल वर्ष 2026 के शुरुआती महीनों में ही आग की घटनाओं में 65 लोगों की मौत दर्ज की गई है। इससे पहले 2025-26 में 84, 2024-25 में 90 और 2023-24 में 77 लोगों की जान आग की घटनाओं में गई थी। वर्ष 2022-23 में यह संख्या 95 तक पहुंच गई थी, जो पिछले वर्षों में सबसे अधिक रही।विशेषज्ञों का मानना है कि राजधानी में लगातार बढ़ते शहरीकरण, अवैध निर्माण, अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी और संकरी गलियों के कारण आग की घटनाएं अधिक घातक साबित हो रही हैं। कई इलाकों में दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में कठिनाई होती है, जिससे राहत और बचाव कार्य प्रभावित होता है। सरकारी आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि 2019 से 2025 के बीच आग की घटनाओं में 4,403 लोग घायल हुए। वहीं, दिल्ली फायर सर्विस को मिलने वाली आपातकालीन कॉलों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। 2019-20 में जहां लगभग 17 हजार कॉल प्राप्त हुई थीं, वहीं हाल के वर्षों में यह संख्या 20 हजार से अधिक पहुंच गई है।

फायरिंग मामले में खान सर पर कानूनी शिकंजा छात्रों के समर्थन के बीच बढ़ा विवाद

पटना के चर्चित शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनके कोचिंग संस्थान परिसर में हुई फायरिंग की घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। इस प्रकरण में खान सर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसके बाद पूरे बिहार में चर्चा का माहौल बना हुआ है।फायरिंग की घटना के बाद पुलिस ने कोचिंग संस्थान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। अधिकारियों ने प्रत्यक्षदर्शियों और कर्मचारियों से पूछताछ भी की। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।इस बीच खान सर के समर्थन में बड़ी संख्या में छात्र सामने आए। जब पुलिस कार्रवाई के लिए कोचिंग संस्थान पहुंची तो छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों का कहना है कि खान सर लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं और मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। छात्र संगठन भी इस प्रकरण पर नजर बनाए हुए हैं।खान सर के वकील ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया के तहत अदालत का रुख किया जाएगा। उनके अनुसार, खान सर कानून का सम्मान करते हैं और न्यायिक प्रक्रिया में पूरा सहयोग देंगे। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि कानून सभी के लिए समान है और जांच पूरी तरह तथ्यों के आधार पर आगे बढ़ेगी।यह मामला केवल एक आपराधिक जांच तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि शिक्षा जगत और छात्रों के बीच भी चर्चा का विषय बन गया है। आने वाले दिनों में अदालत और जांच एजेंसियों की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

भारत को Su-57 लड़ाकू विमान का रूस का बड़ा प्रस्ताव

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के साथ रक्षा सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकेत देते हुए पांचवीं पीढ़ी के सुखोई Su-57 स्टील्थ फाइटर जेट के संयुक्त उत्पादन का प्रस्ताव दोहराया है। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब भारत अपनी वायुसेना की क्षमताओं को आधुनिक बनाने और स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दे रहा है।सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान पुतिन ने कहा कि रूस भारत के साथ केवल खरीदार-विक्रेता संबंध नहीं चाहता, बल्कि तकनीकी साझेदारी और संयुक्त निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मॉस्को नई दिल्ली के साथ अत्याधुनिक रक्षा तकनीक साझा करने के लिए तैयार है।Su-57 को रूस का सबसे उन्नत स्टील्थ लड़ाकू विमान माना जाता है। इसकी विशेषताओं में कम रडार पहचान, लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता और अत्याधुनिक एवियोनिक्स शामिल हैं। यदि भारत इस परियोजना में शामिल होता है तो उसे उन्नत तकनीक और घरेलू निर्माण क्षमता दोनों का लाभ मिल सकता है।विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रस्ताव भारत के स्वदेशी AMCA कार्यक्रम के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकता है। हालांकि भारत को रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी पहलुओं का मूल्यांकन करने के बाद ही कोई अंतिम निर्णय लेना होगा।

ममता बनर्जी की बैठक में कम उपस्थिति से बढ़ी राजनीतिक चर्चाएं

पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस समय हलचल तेज हो गई जब तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई महत्वपूर्ण बैठक में अपेक्षा से काफी कम जनप्रतिनिधि पहुंचे। पार्टी के भीतर चल रही असंतुष्टि और गुटबाजी की चर्चाओं के बीच इस बैठक को बेहद अहम माना जा रहा था।कालीघाट स्थित आवास पर आयोजित बैठक में केवल कुछ विधायक और सांसद ही उपस्थित हुए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इतनी कम उपस्थिति ने पार्टी नेतृत्व के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्षी दलों ने इसे तृणमूल कांग्रेस के भीतर बढ़ती नाराजगी का संकेत बताया है।हालांकि पार्टी नेताओं का कहना है कि कई जनप्रतिनिधि अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके। उनका दावा है कि तृणमूल कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और संगठन में किसी तरह का संकट नहीं है। दूसरी ओर राजनीतिक पर्यवेक्षक इसे आगामी चुनावी रणनीति और संगठनात्मक चुनौतियों से जोड़कर देख रहे हैं।बैठक में कथित तौर पर संगठन को मजबूत करने, आगामी चुनावों की तैयारी और जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। ममता बनर्जी ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने का संदेश दिया। साथ ही संगठन में अनुशासन बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम बंगाल में बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच तृणमूल कांग्रेस के लिए संगठनात्मक एकता बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी। आने वाले महीनों में पार्टी नेतृत्व की रणनीति और नेताओं की सक्रियता से यह स्पष्ट होगा कि वर्तमान स्थिति केवल अस्थायी है या इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक संकेत छिपा है।

पुणे में 'Made in Pakistan' लेबल वाली चादर मिलने से मचा हड़कंप

महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक धार्मिक मेले से खरीदी गई चादर पर 'Made in Pakistan' का लेबल मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गई है। मामला सामने आने के बाद उत्पाद की सप्लाई चेन और बिक्री प्रक्रिया की जांच शुरू कर दी गई है।जानकारी के अनुसार, पिंपरी-चिंचवड़ क्षेत्र की एक महिला ने संकष्टी चतुर्थी मेले में एक स्टॉल से चादर खरीदी थी। महिला का दावा है कि खरीदारी के समय उसे किसी विदेशी निर्माण संबंधी जानकारी का पता नहीं चला। लेकिन घर पर चादर धोने के बाद कपड़े में लगा टैग दिखाई दिया, जिस पर 'Made in Pakistan' लिखा था।महिला ने इस संबंध में एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों और विभिन्न संगठनों ने मामले की जांच की मांग की। कई लोगों ने सवाल उठाया कि यदि उत्पाद वास्तव में पाकिस्तान में निर्मित है तो वह स्थानीय बाजार तक कैसे पहुंचा।पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा है कि फिलहाल जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि संबंधित उत्पाद किस माध्यम से बाजार तक पहुंचा। अधिकारियों के अनुसार, केवल लेबल मिलने के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। उत्पाद की उत्पत्ति, आयात प्रक्रिया और विक्रेता की भूमिका की जांच की जा रही है।व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के कारण कई बार उत्पाद विभिन्न देशों से होकर बाजार तक पहुंचते हैं। इसलिए जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया और स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

INDIA गठबंधन की अहम बैठक आज
विपक्ष की एकजुटता और भविष्य की रणनीति पर रहेगी नजर

आज की बैठक केवल एक औपचारिक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि विपक्ष की भावी रणनीति तय करने वाला महत्वपूर्ण मंच हो सकती है। यदि सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होता है तो विपक्ष आगामी राजनीतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना कर सकता है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

लोकसभा चुनाव और हाल ही में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद आज राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में INDIA गठबंधन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होने जा रही है। राजनीतिक दृष्टि से इस बैठक को बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि चुनाव परिणामों के बाद विपक्षी दलों के बीच उभरते मतभेद और गठबंधन की भविष्य की दिशा को लेकर कई तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह बैठक विपक्षी एकता की अग्निपरीक्षा साबित हो सकती है।बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी, शिवसेना (उद्धव गुट), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) समेत कई सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में देश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, संसद के आगामी सत्र में विपक्ष की रणनीति, विभिन्न राज्यों में संगठनात्मक मजबूती तथा भाजपा के खिलाफ साझा राजनीतिक अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी।हालांकि बैठक से पहले ही गठबंधन के भीतर मतभेदों की खबरों ने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। तमिलनाडु की प्रमुख राजनीतिक पार्टी डीएमके ने कांग्रेस के साथ कुछ मुद्दों पर असहमति जताते हुए बैठक में अपनी भागीदारी को लेकर संशय व्यक्त किया है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और चुनावी रणनीतियों को लेकर दोनों दलों के बीच बढ़ी दूरी ने विपक्षी एकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि डीएमके बैठक से दूरी बनाती है तो इसका संदेश राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण माना जाएगा।उधर भारतीय जनता पार्टी ने इस पूरे घटनाक्रम को विपक्ष की कमजोरी का प्रमाण बताया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि INDIA गठबंधन केवल चुनावी आवश्यकता के कारण बना एक मंच था, जिसके घटक दलों के बीच न तो वैचारिक समानता है और न ही नेतृत्व को लेकर स्पष्टता। भाजपा का दावा है कि लगातार बढ़ते मतभेद यह दर्शाते हैं कि विपक्ष एक मजबूत और स्थायी विकल्प प्रस्तुत करने में असफल रहा है।इसके विपरीत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने भाजपा के आरोपों को खारिज किया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि लोकतंत्र, संविधान, सामाजिक न्याय और संघीय ढांचे की रक्षा जैसे मुद्दों पर सभी विपक्षी दल एकजुट हैं। उनका दावा है कि विचार-विमर्श और मतभेद लोकतांत्रिक राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा हैं तथा गठबंधन पहले की तरह मजबूत बना हुआ है।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, आज की बैठक केवल एक औपचारिक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि विपक्ष की भावी रणनीति तय करने वाला महत्वपूर्ण मंच हो सकती है। यदि सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होता है तो विपक्ष आगामी राजनीतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना कर सकता है। वहीं यदि मतभेद और गहराते हैं तो इसका सीधा लाभ भाजपा को मिल सकता है।ऐसे में पूरे देश की नजरें इस बैठक पर टिकी हुई हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि आज लिए जाने वाले निर्णय आने वाले महीनों की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा और दशा दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। INDIA गठबंधन के लिए यह अपनी एकजुटता और राजनीतिक प्रभावशीलता साबित करने का महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर वैश्विक नियमों पर बहस तेज

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के तेजी से बढ़ते उपयोग के बीच दुनिया भर में इसके नियमन और सुरक्षा मानकों को लेकर बहस तेज हो गई है। यूरोप, अमेरिका और एशिया के कई देशों में नीति निर्माता ऐसी व्यवस्थाओं पर काम कर रहे हैं जो तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ नागरिकों की सुरक्षा और गोपनीयता भी सुनिश्चित कर सकें।यूरोपीय संघ ने एआई से जुड़े नियमों के अनुपालन को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अधिकारियों का कहना है कि बड़ी एआई कंपनियों को पारदर्शिता, सुरक्षा और जवाबदेही से जुड़े मानकों का पालन करना होगा। इसी दिशा में कई तकनीकी कंपनियों ने आवश्यक दस्तावेज और अनुपालन रिपोर्ट जमा कर दी हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त, परिवहन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में बड़े बदलाव ला रहा है। हालांकि इसके साथ डेटा सुरक्षा, रोजगार पर प्रभाव, फर्जी सूचनाओं और साइबर सुरक्षा जैसी चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। यही कारण है कि सरकारें नियामक ढांचे को मजबूत करने पर जोर दे रही हैं।तकनीकी कंपनियों का कहना है कि अत्यधिक सख्त नियम नवाचार की गति को प्रभावित कर सकते हैं, जबकि सामाजिक संगठनों का तर्क है कि पर्याप्त निगरानी के बिना एआई का दुरुपयोग बढ़ सकता है। इस मुद्दे पर संतुलित नीति बनाने की चुनौती नीति निर्माताओं के सामने है।संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाने की वकालत कर रही हैं। उनका मानना है कि एआई जैसी तकनीक सीमाओं से परे प्रभाव डालती है, इसलिए इसके लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों की आवश्यकता है।विश्लेषकों के अनुसार आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता वैश्विक अर्थव्यवस्था और समाज को गहराई से प्रभावित करेगी। ऐसे में इसके विकास और नियमन के बीच संतुलन बनाना दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगा।

फीफा विश्व कप 2026 से पहले दुनिया भर में बढ़ा उत्साह

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

फीफा विश्व कप 2026 के उद्घाटन में अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं और दुनिया भर में फुटबॉल प्रेमियों के बीच उत्साह चरम पर पहुंच गया है। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट इतिहास का सबसे बड़ा फुटबॉल विश्व कप माना जा रहा है, जिसमें 48 टीमें भाग लेंगी और 100 से अधिक मैच खेले जाएंगे।मेजबान देशों में स्टेडियमों, परिवहन व्यवस्था और सुरक्षा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विभिन्न शहरों में फैन जोन बनाए गए हैं, जहां लाखों दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। आयोजकों का दावा है कि यह विश्व कप खेल इतिहास के सबसे बड़े आयोजनों में शामिल होगा।फुटबॉल विशेषज्ञों के अनुसार फ्रांस, स्पेन, अर्जेंटीना और ब्राजील जैसी टीमें खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। वहीं कई युवा खिलाड़ियों पर भी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं, जो इस टूर्नामेंट में अपनी पहचान बनाने की कोशिश करेंगे।विश्व कप के कारण पर्यटन, होटल उद्योग और स्थानीय व्यवसायों को भी बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। अनुमान है कि टूर्नामेंट से अरबों डॉलर की आर्थिक गतिविधियां उत्पन्न होंगी और लाखों पर्यटक विभिन्न मेजबान शहरों का दौरा करेंगे।फीफा अधिकारियों ने कहा

संयुक्त राष्ट्र ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में एक बार फिर बढ़ते तनाव ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्र के कई हिस्सों में सुरक्षा हालात को लेकर बढ़ी आशंकाओं के बीच संयुक्त राष्ट्र ने सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और विवादों का समाधान बातचीत के माध्यम से निकालने की अपील की है। हाल के दिनों में हुई घटनाओं के बाद क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर दुनिया की प्रमुख शक्तियां लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।संयुक्त राष्ट्र महासचिव के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि किसी भी प्रकार का सैन्य टकराव न केवल संबंधित देशों बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। संगठन ने मानवीय सहायता एजेंसियों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं ताकि जरूरत पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाई जा सके।कई देशों के विदेश मंत्रियों और राजनयिकों ने भी स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अन्य देशों ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने पर जोर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तनाव और बढ़ता है तो इसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी पड़ सकता है, क्योंकि पश्चिम एशिया दुनिया के प्रमुख तेल और गैस उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे विवादों और सुरक्षा चुनौतियों के कारण स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। ऐसे में किसी भी नई घटना से तनाव बढ़ने की आशंका रहती है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय फिलहाल कूटनीतिक प्रयासों के जरिए स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है।संयुक्त राष्ट्र ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करने और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। आने वाले दिनों में विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के बीच और बातचीत होने की संभावना है। फिलहाल पूरी दुनिया की नजर पश्चिम एशिया की बदलती परिस्थितियों पर बनी हुई है और उम्मीद की जा रही है कि कूटनीतिक प्रयासों के जरिए तनाव को कम किया जा सकेगा।

यूरोपीय संघ और पश्चिमी बाल्कन देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर सहमति

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

यूरोपीय संघ (EU) और पश्चिमी बाल्कन देशों के नेताओं के बीच आयोजित शिखर सम्मेलन में क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक विकास और यूरोपीय एकीकरण को आगे बढ़ाने पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। सम्मेलन में शामिल नेताओं ने साझा समृद्धि और स्थिरता के लक्ष्य को लेकर सहयोग मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।बैठक में यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं के साथ मोंटेनेग्रो, सर्बिया, अल्बानिया, उत्तरी मैसिडोनिया, बोस्निया एवं हर्जेगोविना और कोसोवो के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। नेताओं ने क्षेत्रीय विकास योजनाओं, व्यापार, निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर विचार-विमर्श किया।यूरोपीय संघ ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि पश्चिमी बाल्कन देशों के लिए यूरोपीय संघ की सदस्यता का मार्ग खुला है, बशर्ते वे आवश्यक राजनीतिक और आर्थिक सुधारों को पूरा करें। सम्मेलन में क्षेत्रीय स्थिरता, कानून के शासन, लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और आर्थिक सुधारों पर विशेष जोर दिया गया।विशेषज्ञों का मानना है कि यूरोप में बदलते भू-राजनीतिक माहौल के बीच पश्चिमी बाल्कन क्षेत्र का महत्व बढ़ गया है। यूरोपीय संघ इस क्षेत्र को अपने साथ अधिक मजबूती से जोड़ना चाहता है ताकि आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।सम्मेलन के दौरान ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन और युवा रोजगार जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। नेताओं ने माना कि क्षेत्र के विकास के लिए आपसी सहयोग और निवेश को बढ़ावा देना आवश्यक है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह शिखर सम्मेलन यूरोप और बाल्कन देशों के संबंधों को नई दिशा देने वाला साबित हो सकता है। आने वाले महीनों में कई संयुक्त परियोजनाओं की घोषणा होने की संभावना है, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है।

संपादक की कलम से

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित व्यवस्था नहीं है। इसकी असली ताकत जनता के उस भरोसे में छिपी होती है कि उसका मत स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रभावी है। जब चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, तब मामला केवल किसी दल की जीत या हार का नहीं रहता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता भी बहस के केंद्र में आ जाती है। हाल के दिनों में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे आरोपों ने इसी चिंता को फिर सामने ला दिया है। यह कहा जा रहा है कि कई बार केवल कुछ सीटों का परिणाम ही नहीं, बल्कि पूरी सत्ता का स्वरूप भी चुनावी प्रक्रियाओं से प्रभावित हो सकता है। मतदाता सूचियों में गड़बड़ी, मतदान के दौरान कथित अनियमितताएं और संस्थागत निष्पक्षता पर उठते सवाल लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि उसका मत पूरी ईमानदारी से दर्ज नहीं हो रहा, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव कमजोर पड़ने लगती है। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक प्रयोग माना जाता है। करोड़ों मतदाता हर चुनाव में उत्साह से भाग लेते हैं और इसी भागीदारी से लोकतंत्र को शक्ति मिलती है। लेकिन यही शक्ति तब कमज़ोर होने लगती है जब चुनावी प्रक्रिया को लेकर संदेह पैदा होता है। संदेह चाहे वास्तविक हो या केवल राजनीतिक विवाद का हिस्सा, उसका असर आम नागरिक के मन पर पड़ता है। मतदाता के मन में यदि यह सवाल पैदा हो जाए कि उसका मत सही अर्थों में गिना भी जाएगा या नहीं, तो यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर मानी जाएगी।यह भी सच है कि चुनावी हार के बाद आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कोई नई बात नहीं है। लंबे समय से यह प्रवृत्ति देखी जाती रही है कि जब परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं आते, तो चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगते हैं। लेकिन लोकतंत्र में केवल आरोप पर्याप्त नहीं होते। यदि किसी को चुनावी अनियमितताओं पर संदेह है, तो उसके समर्थन में प्रमाण और तथ्य भी सामने आने चाहिए। बिना ठोस आधार के लगाए गए आरोप केवल राजनीतिक वातावरण को और अधिक अविश्वास से भरते हैं। दूसरी ओर, चुनाव कराने वाली संस्थाओं की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। केवल निष्पक्ष होना पर्याप्त नहीं, बल्कि जनता के सामने निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है। मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया, मतगणना और परिणामों की घोषणा तक हर स्तर पर अधिक पारदर्शिता समय की मांग है। यदि कहीं भी शंका की गुंजाइश रह जाती है, तो उसे दूर करने के लिए संस्थाओं को तत्परता से सामने आना चाहिए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास है। यह विश्वास टूटने लगे तो चुनाव केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को सुरक्षित रखा जाए। लोकतंत्र तभी मजबूत रहेगा जब आम नागरिक को यह भरोसा होगा कि उसका मत किसी भी परिस्थिति में उसकी आवाज़ बनकर सामने आएगा। यही भरोसा लोकतंत्र की असली नींव है और इसकी रक्षा करना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे

देशव्यापी जनसंपर्क अभियान के जरिए उपलब्धियां गिनाएगी भाजपा

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह अभियान केवल सरकार की उपलब्धियों के प्रचार तक सीमित नहीं है, बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों और भविष्य की राजनीतिक रणनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और संगठन की जमीनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिलेगी।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने देशभर में व्यापक जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की है। पार्टी का उद्देश्य पिछले एक दशक से अधिक समय के दौरान केंद्र सरकार की उपलब्धियों और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे जनता तक पहुंचाना है। भाजपा नेतृत्व का दावा है कि बीते 12 वर्षों में भारत ने आर्थिक विकास, सामाजिक कल्याण, राष्ट्रीय सुरक्षा, डिजिटल क्रांति और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन्हें जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है।पार्टी सूत्रों के अनुसार यह अभियान 5 जून से 21 जून तक चलेगा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक, जिला और मंडल स्तर के पदाधिकारी तथा बूथ कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं की जानकारी देंगे। अभियान के तहत घर-घर संपर्क, लाभार्थी सम्मेलन, जनसंवाद कार्यक्रम, संगोष्ठियां और प्रदर्शनी आयोजित की जाएंगी। भाजपा का लक्ष्य है कि सरकार की उपलब्धियों को सीधे उन लोगों तक पहुंचाया जाए, जिन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला है।अभियान में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, हर घर जल योजना, स्वच्छ भारत मिशन, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और देशभर में विकसित किए गए एक्सप्रेसवे, रेलवे तथा हवाई अड्डों जैसी परियोजनाओं को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा। पार्टी का दावा है कि इन योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है।भाजपा अध्यक्ष ने संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए हैं कि वे प्रत्येक बूथ तक पहुंच सुनिश्चित करें और लाभार्थियों के साथ संवाद स्थापित करें। साथ ही लोगों से फीडबैक भी लिया जाएगा ताकि सरकार की योजनाओं के प्रभाव का आकलन किया जा सके। पार्टी का मानना है कि यह अभियान न केवल सरकार की उपलब्धियों को प्रचारित करेगा बल्कि संगठनात्मक मजबूती को भी बढ़ावा देगा।वहीं विपक्षी दलों ने इस अभियान को राजनीतिक प्रचार करार दिया है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों का आरोप है कि सरकार महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने का प्रयास कर रही है। विपक्ष का कहना है कि केवल उपलब्धियों का प्रचार करने के बजाय सरकार को जनता की वर्तमान समस्याओं के समाधान पर अधिक ध्यान देना चाहिए। कई विपक्षी दलों ने घोषणा की है कि वे भी समानांतर कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के सामने अपनी बात रखेंगे।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह अभियान केवल सरकार की उपलब्धियों के प्रचार तक सीमित नहीं है, बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों और भविष्य की राजनीतिक रणनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और संगठन की जमीनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिलेगी। भाजपा नेतृत्व का कहना है कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को लेकर जनजागरूकता पैदा करना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। ऐसे में आने वाले दिनों में देशभर में होने वाले कार्यक्रमों पर राजनीतिक दलों और जनता दोनों की नजर बनी रहेगी।

दिल्ली में युवा आंदोलन का शक्ति प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और पेपर लीक के मामलों को लेकर युवाओं का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को राजधानी दिल्ली में विभिन्न छात्र और युवा संगठनों ने बड़े प्रदर्शन का आह्वान किया, जिसके चलते राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। प्रदर्शनकारियों ने जंतर-मंतर पर एकत्र होकर परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई।सुबह से ही दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में छात्र और युवा जंतर-मंतर पहुंचने लगे। प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। कई संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया, जबकि यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष रूट डायवर्जन लागू किए गए। प्रशासन का कहना है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति दी गई है, लेकिन कानून-व्यवस्था से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।प्रदर्शनकारी संगठनों का आरोप है कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं में सामने आए विवादों ने लाखों छात्रों का भविष्य अधर में डाल दिया है। उनका कहना है कि वर्षों की मेहनत के बावजूद युवाओं को पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया नहीं मिल पा रही है। प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने सरकार से परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और जवाबदेह बनाने की मांग की।इस मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों ने भी सरकार पर निशाना साधा है। कई विपक्षी नेताओं ने छात्रों के आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि भर्ती और परीक्षा व्यवस्थाओं में लगातार सामने आ रही खामियों के कारण युवाओं का भरोसा कमजोर हुआ है।वहीं केंद्र सरकार का कहना है कि परीक्षा प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं। सरकार का दावा है कि तकनीकी उपायों और सख्त निगरानी के माध्यम से अनियमितताओं पर रोक लगाने का प्रयास किया जा रहा है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि रोजगार और शिक्षा से जुड़े मुद्दे देश की राजनीति में तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। यदि यह आंदोलन और व्यापक रूप लेता है, तो इसका असर आगामी राजनीतिक और नीतिगत चर्चाओं पर भी पड़ सकता है। फिलहाल राजधानी में युवाओं का यह प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

हरियाणा की राजनीति में हलचल

निलंबित कांग्रेस विधायक के परिवार का भाजपा में प्रवेश

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

हरियाणा की राजनीति में शनिवार को उस समय बड़ा घटनाक्रम सामने आया जब निलंबित कांग्रेस विधायक रेनू बाला के पति ऋषि पाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित एक कार्यक्रम में ऋषि पाल ने औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस घटनाक्रम को राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह ऐसे समय हुआ है जब विभिन्न राजनीतिक दल आगामी चुनावी रणनीतियों को लेकर सक्रिय हैं और संगठन विस्तार पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।भाजपा में शामिल होने के बाद ऋषि पाल ने कहा कि उन्होंने विकास और जनहित की राजनीति को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से प्रभावित होकर उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है। उन्होंने यह भी कहा कि वे क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।भाजपा नेताओं ने इस मौके पर इसे पार्टी की नीतियों और नेतृत्व पर जनता के बढ़ते विश्वास का प्रमाण बताया। उनका कहना था कि भाजपा लगातार अपने जनाधार का विस्तार कर रही है और विभिन्न वर्गों के लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। पार्टी नेताओं ने दावा किया कि राज्य में भाजपा की स्थिति पहले से अधिक मजबूत हुई है और आने वाले समय में संगठन को और मजबूती मिलेगी।दूसरी ओर कांग्रेस ने इस घटनाक्रम को ज्यादा महत्व देने से इनकार किया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि किसी एक व्यक्ति के पार्टी छोड़ने या दूसरे दल में जाने से संगठन पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ता। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक पूरी तरह एकजुट हैं तथा पार्टी राज्य में जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम केवल एक दल-बदल की घटना नहीं है, बल्कि इससे राज्य की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के संकेत भी मिलते हैं। हरियाणा में हाल के महीनों में विभिन्न दलों के बीच राजनीतिक सक्रियता बढ़ी है और नेताओं के दल बदलने की चर्चाएं लगातार सामने आती रही हैं।विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी चुनावों से पहले इस तरह के राजनीतिक बदलावों का असर स्थानीय स्तर पर देखने को मिल सकता है। फिलहाल ऋषि पाल के भाजपा में शामिल होने की चर्चा पूरे राज्य में बनी हुई है और इसे हरियाणा की राजनीति के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों में गिना जा रहा है।

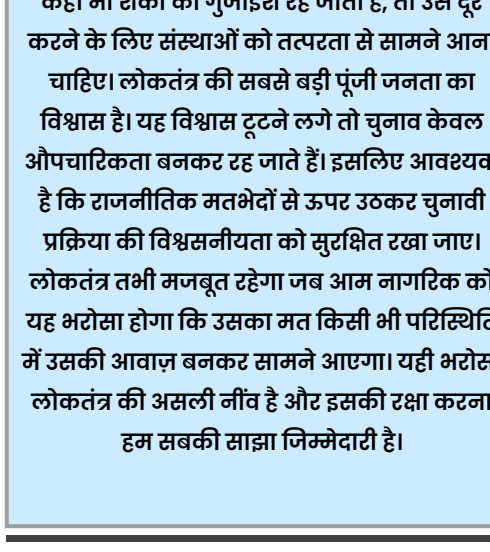

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों में शुरू होंगे नए कौशल आधारित पाठ्यक्रम

देशभर में आयोजित होने वाली प्रतियोगी और भर्ती परीक्षाओं को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए परीक्षा एजेंसियों ने नई तकनीकों को अपनाने की दिशा में व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। हाल के वर्षों में विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल और अन्य अनियमितताओं के आरोपों के बाद परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठे थे। इसी पृष्ठभूमि में सरकार और परीक्षा संचालित करने वाली संस्थाएं सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर जोर दे रही हैं।अधिकारियों के अनुसार आने वाले समय में कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परीक्षाओं में एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्रश्नपत्र प्रणाली लागू की जाएगी। प्रश्नपत्रों को सुरक्षित डिजिटल माध्यम से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे लीक होने की संभावना काफी कम हो जाएगी। इसके अलावा अभ्यर्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन और फेस रिकग्निशन तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा।परीक्षा केंद्रों पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली लगाने की योजना है, जो संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर तुरंत अधिकारियों को सूचना दे सकेगी। कई केंद्रों पर लाइव वीडियो मॉनिटरिंग और रियल-टाइम डेटा विश्लेषण की व्यवस्था भी विकसित की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीक के इस उपयोग से परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और अनुचित साधनों के प्रयोग पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा।छात्र संगठनों और अभ्यर्थियों ने लंबे समय से परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि लाखों युवा वर्षों तक कठिन परिश्रम करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। यदि परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितता होती है तो इसका सीधा असर उनके भविष्य पर पड़ता है। इसलिए निष्पक्ष और सुरक्षित परीक्षा व्यवस्था युवाओं का अधिकार है।शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीक आधारित परीक्षा प्रबंधन से परिणामों की प्रक्रिया भी अधिक तेज और सटीक होगी। इससे अभ्यर्थियों को समय पर परिणाम और नियुक्ति प्रक्रियाओं का लाभ मिल सकेगा। कई विशेषज्ञ यह भी सुझाव दे रहे हैं कि परीक्षा केंद्रों के चयन और निरीक्षण की प्रक्रिया को और मजबूत बनाया जाए।सरकारी सूत्रों के अनुसार परीक्षा एजेंसियों को डेटा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के उच्च मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए विशेष तकनीकी टीमों का गठन किया जा रहा है जो परीक्षा के दौरान किसी भी संभावित जोखिम पर नजर रखेंगी।विश्लेषकों का मानना है कि यदि ये सुधार प्रभावी ढंग से लागू किए जाते हैं तो प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों का विश्वास मजबूत होगा और योग्य उम्मीदवारों को निष्पक्ष अवसर मिल सकेगा। आने वाले महीनों में कई प्रमुख परीक्षाओं में इन नई व्यवस्थाओं का परीक्षण किया जाएगा, जिसके बाद इन्हें व्यापक स्तर पर लागू करने की योजना है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नई तकनीक अपनाएंगी परीक्षा एजेंसियां

देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों ने नई तकनीकों को अपनाने की तैयारी शुरू कर दी है। हाल के वर्षों में विभिन्न भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में सामने आए कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के मामलों के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।अधिकारियों के अनुसार आने वाले समय में कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं में एन्क्रिप्टेड प्रश्नपत्र प्रणाली, बायोमेट्रिक सत्यापन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और डिजिटल सुरक्षा तंत्र का व्यापक उपयोग किया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की पहचान के लिए फेस रिकग्निशन तकनीक और लाइव मॉनिटरिंग सिस्टम भी लागू किए जा सकते हैं।शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीक के बेहतर उपयोग से परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और नकल या पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा। साथ ही परीक्षा परिणामों की प्रक्रिया भी अधिक तेज और सटीक होगी।कई छात्र संगठनों ने भी परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता युवाओं के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। लाखों छात्र वर्षों तक तैयारी करते हैं, इसलिए परीक्षा प्रक्रिया पर उनका भरोसा कायम रहना चाहिए।सरकारी सूत्रों के अनुसार विभिन्न एजेंसियों को सुरक्षा मानकों को और मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा केंद्रों के चयन, डिजिटल नेटवर्क की निगरानी और डेटा सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षा क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि नई तकनीकों के इस्तेमाल से परीक्षा प्रणाली में जनता का विश्वास बढ़ेगा और योग्य उम्मीदवारों को निष्पक्ष अवसर मिल सकेगा। आने वाले महीनों में कई प्रमुख परीक्षाओं में इन नई व्यवस्थाओं का परीक्षण शुरू होने की संभावना है, जिसके बाद इन्हें व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा।

आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज के लिए हुआ टीम इंडिया का ऐलान

भारतीय टी-20 टीम में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की एंट्री श्रेयस अय्यर बने कप्तान

भारतीय क्रिकेट में एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी-20 श्रृंखलाओं के लिए टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें सबसे अधिक चर्चा 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के चयन को लेकर हो रही है। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और बेखौफ अंदाज के लिए पहचान बना चुके वैभव को पहली बार भारतीय सीनियर टीम में जगह मिली है। इसके साथ ही चयनकर्ताओं ने अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को टीम की कप्तानी सौंपकर भविष्य की योजनाओं के स्पष्ट संकेत दिए हैं।वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में शानदार प्रदर्शन कर क्रिकेट जगत को प्रभावित किया था। उन्होंने कई मैचों में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ बड़े शॉट लगाए और लगातार रन बनाकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनकी बल्लेबाजी में आत्मविश्वास, तकनीक और आक्रामकता का शानदार मिश्रण देखने को मिला। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय टीम में चयन उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है।दूसरी ओर श्रेयस अय्यर को कप्तानी दिए जाने को भी महत्वपूर्ण फैसला माना जा रहा है। अय्यर ने घरेलू क्रिकेट, आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की है। हाल के महीनों में उनके शानदार प्रदर्शन और टीम को संभालने की क्षमता को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा जताया है। माना जा रहा है कि उनकी कप्तानी में भारतीय टी-20 टीम को नई दिशा और स्थिरता मिल सकती है।टीम चयन में युवा खिलाड़ियों को प्राथमिकता दिए जाने से यह भी स्पष्ट हो गया है कि भारतीय क्रिकेट प्रबंधन आने वाले वर्षों की टीम तैयार करने की रणनीति पर काम कर रहा है। चयन समिति का मानना है कि नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने का यही सही समय है, ताकि भविष्य में भारत के पास मजबूत खिलाड़ी तैयार रहें।

विश्व बॉक्सिंग कप से भारत को झटका दो भार वर्गों में खिलाड़ी नहीं उतर पाएंगे

भारतीय टी-20 टीम में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की एंट्री, श्रेयस अय्यर बने कप्तानमुंबई, 6 जून 2026। भारतीय क्रिकेट में एक नया इतिहास बनने की ओर बढ़ रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी-20 श्रृंखलाओं के लिए टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। इसके साथ ही श्रेयस अय्यर को टीम की कप्तानी सौंपी गई है।वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन कर क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए रिकॉर्ड रन बनाए और कई अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि उनकी चयन प्रक्रिया भारतीय क्रिकेट में युवा प्रतिभाओं को अवसर देने की नीति का संकेत है।दूसरी ओर श्रेयस अय्यर को कप्तानी दिए जाने को भी महत्वपूर्ण फैसला माना जा रहा है। अय्यर ने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अपनी नेतृत्व क्षमता का सफल प्रदर्शन किया है। चयनकर्ताओं का मानना है कि उनकी कप्तानी में टीम को नई दिशा मिल सकती है।टीम में कई युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिया गया है, जिससे स्पष्ट है कि भारतीय क्रिकेट प्रबंधन भविष्य की टीम तैयार करने पर जोर दे रहा है। आगामी श्रृंखलाएं नए खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का बड़ा मंच होंगी।क्रिकेट प्रेमियों में इस घोषणा को लेकर काफी उत्साह है। विशेष रूप से वैभव सूर्यवंशी की संभावित अंतरराष्ट्रीय शुरुआत को लेकर चर्चा तेज हो गई है। यदि उन्हें अंतिम एकादश में मौका मिलता है तो वे भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। आने वाले दिनों में सभी की नजरें इस युवा खिलाड़ी के प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी।in 350 words

फ्रेंच ओपन फाइनल में पहुंचे अलेक्जेंडर ज्वेरेव, पहले ग्रैंड स्लैम खिताब से एक कदम दूर

जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन 2026 के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने चेक गणराज्य के युवा खिलाड़ी याकुब मेंसिक को चार सेटों में हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। इस जीत के साथ ज्वेरेव अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम खिताब से केवल एक कदम दूर रह गए हैं।फिलिप-शैट्रियर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में ज्वेरेव ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले दो सेट अपने नाम कर लिए। उनकी मजबूत सर्विस और सटीक ग्राउंड स्ट्रोक्स के सामने मेंसिक शुरुआत में संघर्ष करते नजर आए। हालांकि तीसरे सेट में युवा खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को रोमांचक बना दिया। मेंसिक ने कई बेहतरीन शॉट लगाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं और सेट जीतकर मैच में बने रहे।लेकिन चौथे सेट में ज्वेरेव का अनुभव काम आया। उन्होंने संयमित खेल दिखाते हुए महत्वपूर्ण अंकों पर बढ़त बनाई और अंततः मुकाबला अपने नाम कर लिया। जीत के बाद ज्वेरेव ने कहा कि फाइनल में पहुंचना उनके लिए गर्व का क्षण है, लेकिन उनका लक्ष्य अब ट्रॉफी जीतना है।फाइनल में ज्वेरेव का सामना इटली के उभरते हुए खिलाड़ी फ्लावियो कोबोली से होगा। कोबोली को सेमीफाइनल में बिना खेले वॉकओवर मिला, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी माटेओ अर्नाल्डी चोट और बीमारी के कारण मुकाबले से हट गए थे। ऐसे में कोबोली अपेक्षाकृत अधिक फिट और तरोताजा स्थिति में फाइनल खेलेंगे।टेनिस विशेषज्ञों का मानना है कि ज्वेरेव के पास बड़े मुकाबलों का अनुभव है, जबकि कोबोली युवा जोश और आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे। यही कारण है कि खिताबी मुकाबले को बेहद रोमांचक माना जा रहा है। अब दुनिया भर के टेनिस प्रशंसकों की निगाहें फाइनल पर टिकी हैं, जहां नया इतिहास बन सकता है।

ऊंचा लंबा कद पर लगाए दुमके, गाना रिलीज

- अक्षय कुमार और दिशा पाटनी की जोड़ी को दर्शकों का मिल रहा जबरस्त रिस्पॉन्स

अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल का नया गाना ऊंचा लंबा कद रिलीज कर दिया गया है। यह गाना वर्ष 2007 में आई फिल्म वेलकमके लोकप्रिय ट्रैक का रीक्रिएटेड संस्करण है, जिसे नए अंदाज में दर्शकों के सामने पेश किया गया है। फिल्म का टीजर और पहले रिलीज हुए दो गाने पहले ही सोशल मीडिया और यूट्यूब पर चर्चा बटोर चुके हैं, वहीं अब तीसरे गाने ने भी फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। नए संस्करण में अक्षय कुमार और दिशा पाटनी की जोड़ी स्क्रीन पर नजर आ रही है। दोनों की केमिस्ट्री और डांस मूव्स को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

गाने को विक्रम मॉन्ट्रोज ने संगीतबद्ध किया है, जबकि इसे आनंद राज और रुबाई ने अपनी आवाज दी है। गीत के बोल मेघा बाली ने लिखे हैं। रंगीन विजुअल्स और मस्तीभरे अंदाज के साथ यह गाना फिल्म की कॉमिक और मनोरंजक दुनिया की झलक पेश करता है। गाने का एक खास पल तब आता है जब अक्षय कुमार आखिर में वी मिस यू कहते हुए कैटरीना कैफ को याद करते नजर आते हैं, जो मूल गाने में उनके साथ दिखाई दी थीं। इस भावनात्मक संदर्भ ने पुराने वेलकम के प्रशंसकों को भी खासा आकर्षित किया है।

अहमद खान के निर्देशन में बनी वेलकम टू द जंगल 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसमें कई बड़े सितारे अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अल्फा विवाद पर बॉबी देओल ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता बॉबी देओल ने आलिया भट्ट के साथ कथित अनबन की खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सभी अटकलों को खारिज कर दिया है। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि यशराज फिल्म्स की आगामी फिल्म अल्फा की शूटिंग के दौरान दोनों कलाकारों के बीच तनाव पैदा हो गया था। अब बॉबी ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा है कि ऐसी खबरों का वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है। एक बातचीत में बॉबी देओल ने कहा कि जब उनके एक दोस्त ने उन्हें इस अफवाह का स्क्रीनशॉट भेजा तो वह खुद भी हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि लोग बिना किसी तथ्य के कुछ भी लिख देते हैं। बॉबी ने आलिया की तारीफ करते हुए उन्हें बेहद मेहनती और पेशेवर अभिनेत्री बताया। उन्होंने कहा कि आलिया ने फिल्म के एक्शन और फाइट सीक्वेंस के लिए कड़ी तैयारी की थी और सेट पर उनका रवैया हमेशा काम के प्रति समर्पित रहा। बॉबी ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली अधिकांश बातें सच नहीं होतीं और वह हर अफवाह का जवाब देकर खुद को साबित करने में विश्वास नहीं रखते। गौरतलब है कि 'अल्फा' यशराज फिल्म्स के स्पाय यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान एक्शन फिल्म है, जिसमें आलिया भट्ट और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म में बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम किरदार निभा रहे हैं। दर्शकों के बीच इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर पहले से ही काफी उत्सुकता बनी हुई है।

'बेबी डू डाई डू' में दिखेगा हुमा कुरैशी का एक्शन अवतार

नयी दिल्ली। अभिनेत्री हुमा कुरैशी की आगामी फिल्म बेबी डू डाई डू की पहली झलक जारी कर दी गई है। फिल्म का निर्देशन नचिकेत सामंत ने किया है, जबकि इसका निर्माण सलीम सिब्लिंग्स के बैनर तले किया गया है। जारी वीडियो में हुमा को 'बेबी करमारकर' नामक किरदार में दिखाया गया है, जो एक रहस्यमयी कॉन्ट्रैक्ट किलर के रूप में नजर आती हैं। फिल्म की पहली झलक ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म का परिचय एक एनिमेटेड वीडियो के जरिए कराया गया है, जिसमें मुंबई में हो रही सिलसिलेवार हत्याओं की कहानी दिखाई गई है।

वीडियो में पुलिस और मीडिया एक रहस्यमयी हत्यारे की तलाश में जुटे दिखाई देते हैं, जबकि दूसरी ओर लाल छतरी लिए एक महिला शहर की सड़कों पर घूमती नजर आती है। कहानी में रोमांच तब बढ़ता है जब पता चलता है कि उसके छाते में एक बंदूक छिपी हुई है, जिसका इस्तेमाल वह दिनदहाड़े हत्याएं करने के लिए करती है। हुमा कुरैशी ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा, आ गई अपनी फीमेल हिटवुमन। इससे पहले भी वह फिल्म के पोस्टर शेयर कर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा चुकी हैं। निर्माताओं के अनुसार फिल्म का आधिकारिक टीजर जल्द ही रिलीज किया जाएगा, जिसमें कहानी और किरदारों की अधिक झलक देखने को मिलेगी। फिल्म में हुमा कुरैशी के अलावा सिकंदर खेर, चंकी पांडे, सीमा पाहवा, विद्या मालवदे और हिमांशु मलिक भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। रोमांच और रहस्य से भरपूर यह फिल्म तीन जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

श्रेयस तलपड़े की 'द इंडिया स्टोरी' का टीजर रिलीज

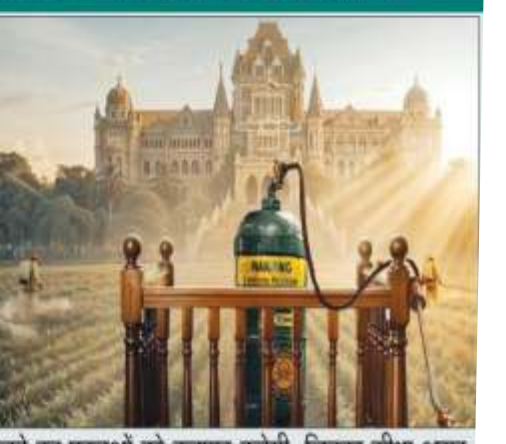

नयी दिल्ली। अभिनेता श्रेयस तलपड़े और अभिनेत्री काजल अग्रवाल की आगामी फिल्म द इंडिया स्टोरी का दमदार टीजर जारी कर दिया गया है। इस वर्ष अप्रैल में घोषित हुई इस फिल्म का निर्देशन चेट्टुन डीके ने किया है, जबकि कहानी और निर्माण की जिम्मेदारी सागर बी शिंदे ने संभाली है। फिल्म खाद्य पदार्थों में बढ़ती मिलावट और रसायनों के दुरुपयोग जैसे गंभीर मुद्दों को केंद्र में रखती है। जारी टीजर में दिखाया गया है कि किस तरह रोजमर्रा के भोजन में इस्तेमाल होने वाले कीटनाशक और रासायनिक पदार्थ लोगों के स्वास्थ्य के लिए धीमा जहर साबित हो रहे हैं। इसमें खाद्य मिलावट के कारण बीमार होकर अस्पताल पहुंचने वाले लोगों के दृश्य भी दिखाए गए हैं, जो दर्शकों को झकझोरने का काम करते हैं। टीजर समाज में बढ़ती लापरवाही, जवाबदेही की कमी और खाद्य सुरक्षा से जुड़े तंत्र में सुधार की जरूरत को भी रेखांकित करता है। निर्माताओं का दावा है कि फिल्म खाद्य उद्योग से जुड़े उन पहलुओं को उजागर करेगी, जिनका सीधा असर आम लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। सामाजिक संदेश से भरपूर द इंडिया स्टोरी 24 जुलाई को हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टीजर को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और फिल्म को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ रही है।

गोलियों की गूंज के बीच बचीं 20 जिंदगियां

अब पर्दे पर दिखेगा साहस का वह अध्याय

जब भी 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों का जिक्र होता है, तो ताज होटल, नरीमन हाउस और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (CST) रेलवे स्टेशन पर मची तबाही के खौफनाक मंजर आंखों के सामने तैर जाते हैं। लेकिन टीवी कैमरों की चकाचौंध से दूर, उस डरावनी रात कुछ ऐसी भी जगहें थीं जहां असाधारण साहस की ऐसी कहानियां लिखी गईं, जो इतिहास के पन्नों में कहीं छिप गईं। ऐसी ही एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वीरगाथा है नर्स अंजलि कुल्थे की, जिन्होंने कामा अस्पताल में घुस चुके लश्कर-ए-तैयबा के खूंखार आतंकवादियों के सामने ढाल बनकर 20 गर्भवती महिलाओं की जान बचाई थी। हमले के 16 साल से ज्यादा समय के बाद, अब उनकी यह जांबाजी बड़े पर्दे पर फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' के जरिए दुनिया के सामने आने वाली है, जिसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अंजलि कुल्थे का मुख्य किरदार निभा रही हैं। कुल्थे कामा अस्पताल में ड्यूटी पर थीं, तभी ख़बरें आने लगीं कि CST पर हमला करने वाले आतंकवादी अस्पताल की ओर बढ़ रहे हैं। जो ड्यूटी एक आम दिन की तरह शुरू हुई थी, वह जल्द ही ज़िंदगी बचाने की लड़ाई में बदल गई। NDTV के साथ एक पुराने इंटरव्यू में, कुल्थे ने बताया कि उन्होंने गोलियों की आवाज़ सुनी और फिर देखा कि आतंकवादी सुरक्षाकर्मियों को गोली मारकर अस्पताल के अंदर घुस रहे हैं। जैसे ही इमारत में दहशत फैली, उन्हें तुरंत एहसास हुआ कि जिन मरीज़ों की देखभाल की ज़िम्मेदारी उन पर है, उन्हें बचाने की ज़रूरत है। वहाँ से भागने के बजाय, उन्होंने वार्ड से 20 गर्भवती महिलाओं को इकट्ठा किया और उन्हें एक छोटी सी पैंट्री में ले गईं। लाइटें बंद कर दी गईं, मोबाइल फ़ोन साइलेंट कर दिए गए और बाहर हमले के दौरान सभी अंधेरे में चुपचाप बैठी रहीं। ख़तरा यहीं खत्म नहीं हुआ। घेराबंदी के दौरान, एक महिला को - जो हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) से पीड़ित थी और हाई-रिस्क मरीज़ थी - लेबर पेन (प्रसव पीड़ा) शुरू हो गया। अस्पताल के अंदर गोलियाँ चल रही थीं और डॉक्टर वार्ड तक सुरक्षित नहीं पहुँच पा रहे थे, ऐसे में कुल्थे ने मोर्चा संभाला। उन्होंने सावधानी से मरीज़ को लेबर रूम तक पहुँचाया; वे दीवार के सहारे-सहारे सीढ़ियों से एक-एक कदम आगे बढ़ती रहीं।

अगली सुबह तक, उस महिला ने एक बच्ची को सुरक्षित जन्म दिया। कुल्थे के अनुसार, बच्ची का नाम बाद में "गोली" रखा गया, ताकि उस डरावनी रात की याद बनी रहे जिसमें उसका जन्म हुआ था। उनकी कहानी अब क्यों बताई जा रही है? 'भारत भाग्य विधाता' उन आम भारतीयों के साहस को दिखाती है जिन्होंने मुश्किल हालात में हिम्मत दिखाई। कंगना रनौत द्वारा निभाए गए कुल्थे के किरदार के ज़रिए, यह फ़िल्म 26/11 हमलों के उस पहलू को सामने लाएगी जिसके बारे में शायद बहुत से लोग नहीं जानते। 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद इन हमलों पर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। ऐसे में यह फ़िल्म उन फ्रंटलाइन वर्कर्स पर भी ध्यान दिलाती है जिन्होंने दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली। इन हमलों में 166 लोगों की जान गई और देश पर गहरे ज़ख्म लगे, लेकिन कुल्थे जैसी कहानियाँ उस भयानक समय में दिखाए गए साहस की मज़बूत याद दिलाती हैं।

दुबग्गा डिपो के संविदा परिचालकों का हजरतगंज में प्रदर्शन, निजीकरण के खिलाफ बुलंद की आवाज

दुबग्गा डिपो के 200 से अधिक संविदा परिचालकों ने निजी कंपनी में विलय के विरोध में हजरतगंज में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कम वेतन, सुविधाओं के अभाव और शोषण की आशंका जताते हुए मांगें पूरी न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

दुबग्गा डिपो के संविदा परिचालकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को राजधानी के हजरतगंज क्षेत्र में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने सरकार और परिवहन विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी समस्याओं के समाधान की मांग की। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कई परिचालकों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शनकारी परिचालकों का कहना है कि वे पिछले कई दिनों से दुबग्गा डिपो पर कार्य बहिष्कार कर अपनी मांगों को लेकर विरोध जता रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई है। इसी कारण मजबूर होकर उन्हें हजरतगंज पहुंचकर प्रदर्शन करना पड़ा। प्रदर्शन में शामिल अमित सिंह ने बताया कि दुबग्गा डिपो के संविदा कर्मचारियों का विलय एक निजी कंपनी एसएस एंटरप्राइजेज में किया जा रहा है, जिसका सभी कर्मचारी विरोध कर रहे हैं। अमित सिंह ने कहा कि चालक और परिचालक परिवहन विभाग के अंतर्गत संविदा पर कार्य कर रहे हैं और उन्हें निजी कंपनी के अधीन काम करना स्वीकार नहीं है। उनका आरोप है कि बिना कर्मचारियों की सहमति के उन्हें निजी कंपनी के हवाले करने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जिससे उनके रोजगार और अधिकारों पर संकट खड़ा हो सकता है। सिटी बसों में सेवा देने वाले करीब 200 से अधिक परिचालक पिछले कई दिनों से हड़ताल पर हैं। हड़ताल का असर शहर के लगभग 22 प्रमुख रूटों पर संचालित सिटी बस सेवाओं पर साफ दिखाई दे रहा है। कई मार्गों पर बसों का संचालन प्रभावित होने से यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शनकारी विकास ने बताया कि संविदा कर्मचारियों को पहले से ही बेहद कम वेतन मिलता है और उन्हें लगभग कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जाती। उन्होंने कहा कि निजी कंपनी के अधीन जाने के बाद कर्मचारियों का शोषण और बढ़ने की आशंका है। इसी कारण सभी चालक और परिचालक एकजुट होकर कार्य बहिष्कार कर रहे हैं और सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज करा रहे हैं।प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। उनका कहना है कि कुछ दिन पहले उनके कई साथी मुख्यमंत्री आवास के बाहर आत्मदाह का प्रयास करने पहुंचे थे, जिन्हें हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया। कर्मचारियों ने मांग की है कि गिरफ्तार साथियों को तत्काल रिहा किया जाए तथा उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं।संविदा परिचालकों का कहना है कि उनकी भर्ती परिवहन विभाग में संविदा आधार पर हुई थी, इसलिए उन्हें किसी निजी कंपनी में भेजना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध करने पर कर्मचारियों को मुकदमे और कार्रवाई की धमकी दी जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

पुलिस भर्ती परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों से ठगी का प्रयास

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों से ठगी का प्रयास शुरू हुआ है। टेलीग्राम पर यूपीपी एग्जाम पेपर नाम से चैनल मिला। इस पर परीक्षा का पेपर 8 हजार रुपये में उपलब्ध कराने का झांसा दिया जा रहा था। क्यूआर कोड और बैंक खाते का विवरण भी साझा किया गया। जानकारी मिलते ही पुलिस भर्ती बोर्ड के सतर्कता प्रकोष्ठ में तैनात इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने हुसैनगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जांच डिप्टी पुलिस अधीक्षक विकास कुमार जायसवाल को सौंपी गई। पुलिस चैनल संचालक और बैंक खाते की जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों से अफवाहों से बचने और परीक्षा पर ध्यान देने की अपील की है। जांच एजेंसियां सक्रिय हैं ताकि परीक्षा में कोई गड़बड़ी न हो। परीक्षा 8 से 10 जून तक आयोजित होनी है। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को लेकर तैयारियां पूरी हो गई हैं। परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संबंधित जिलों के स्ट्रांग रूम में पहुंचा दिए गए हैं। प्रश्नपत्रों के परिवहन और भंडारण की पूरी प्रक्रिया की निगरानी नामित नोडल अधिकारियों की देखरेख में की जा रही है। वहीं, परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए एसटीएफ, साइबर सेल और जिला पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

भर्ती परीक्षा 8, 9 और 10 जून 2026 को प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित होगी। परीक्षा में लाखों अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है। इसे देखते हुए परीक्षा केंद्रों, स्ट्रांग रूम और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। पेपर लीक, सॉल्वर गैंग और नकल माफिया पर शिकंजा कसने के लिए एसटीएफ की विशेष टीमें सक्रिय कर दी गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, विशेषकर व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक और अन्य डिजिटल माध्यमों की चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

लखनऊ के पूर्व मेयर सुरेश चंद्र अवस्थी पर आवारा कुत्तों का हमला, बाल-बाल बचे

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

आवारा कुत्तों के हमले में शहर के पूर्व मेयर सुरेश चंद्र अवस्थी घायल हो गए हो गए हैं। कुत्तों के एक झुंड ने हमला कर उनके पैर और पीठ में कई जगह काटकर दांत गड़ा दिए हैं। इस मामले की शिकायत उन्होंने नगर निगम में की। नगर निगम ने कुत्तों को पकड़ने के लिए टीम भेजी है। पूर्व मेयर सुरेश चंद्र अवस्थी अलीगंज इलाके में आने वाले महाकवि जयशंकर प्रसाद वार्ड वार्ड के सेक्टर क्यू चौराहा के पास रहते हैं। शुक्रवार रात खाना खाने के बाद वह घर के पास ही कॉलोनी में टहल रहे थे। इस दौरान 10 से 12 आवारा कुत्तों में उन पर हमला कर दिया। जब तक वह संभलते, कुत्तों ने उनकी पैर और पीठ में कई जगह काट लिया। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़कर आए और उनको बचाया। पूर्व मेयर ने बताया कि इलाके में कुत्तों का आतंक है। आए दिन ये किसी न किसी को काटते रहते हैं। इलाके में ही एक महिला ने 10-12 आवारा कुत्तों को पाल रखा है। उसने इनका लाइसेंस भी नहीं बनवाया है। आवारा कुत्तों से

लोगों को बहुत परेशानी है। नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी से शिकायत की गई है कि वह इन आवारा कुत्तों को पकड़वाकर इलाके के लोगों को परेशानी से निजात दिलाए। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया कि शिकायत मिली है। टीम को मौके पर भेजा गया है।

KGMU में 6 लावारिस मजारें शिफ्ट की जाएंगी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में KGMU परिसर की 6 मजारों को लावारिस घोषित करने के बाद अब इन्हें शिफ्ट किया जाएगा। KGMU प्रशासन का दावा है कि लीगल प्रक्रिया पूरी कर इन मजारों को लावारिस करार दे दिया गया है। लिस और स्थानीय प्रशासन की तरफ से पर्याप्त सुरक्षा बल मुहैया होते ही इन लावारिस मजारों को उनकी वर्तमान जगह से निकालकर कब्रिस्तान में दफनाया जाएगा। इसके लिए KGMU प्रशासन ने इस काम में माहिर एक्सपर्ट निजी कंपनियों की मदद भी लेने जा रहा है। जून महीने में ये कार्रवाई पूरी करने की तैयारी है। KGMU प्रशासन का दावा है कि बार-बार नोटिस जारी होने के बाद भी किसी भी पक्ष ने मालिकाना हक का वैध दस्तावेज नहीं दिया। ऐसे में मजार की असली आइडेंटिटी साबित नहीं हो पाई। यही कारण है कि मजार को ध्वस्त करने के बजाय शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए जिला और पुलिस प्रशासन से जरूरी अनुमति सहित कार्रवाई पूरी करने के लिए फोर्स की डिमांड की गई है। KGMU प्रशासन का तर्क था कि इन मजारों को हटाने के लिए सभी वैधानिक कार्रवाई की गई है। लंबे समय से इसके लिए लीगल एक्सपर्ट्स द्वारा सुझाई गई प्रक्रिया को फॉलो किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की 2022-23 में आए आदेश के तहत ऐसी अवैध और लावारिस मजारों को हटाने के लिए सुझाए गए नियमों का पालन करने का दावा भी KGMU प्रशासन ने किया। इन मजारों के जिम्मेदार पक्षों को नोटिस जारी कर मालिकाना हक का दावा पेश करने की नोटिस के बाद भी जब किसी ने वैध दस्तावेज पेश नहीं किया। इसके बाद 15 दिनों का समय दिया। ऐसे ही कुल 3 बार नोटिस और सार्वजनिक सूचना भी चस्पा की गई। इसके बाद फिर नोडल कमेटी की तरफ से KGMU कुलसचिव को रिपोर्ट सौंपकर बुलडोजर कार्रवाई की संस्तुति भेजी है।

22 साल की युवती ने ओवरब्रिज से कूदकर जान दे दी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र में एक 22 साल की युवती ने ओवरब्रिज से कूदकर जान दे दी। उसने घरवालों से जिद करके प्रेमी से अपनी शादी तय कराई थी। घरवालों के अनुसार, वह ज्यादातर अपने प्रेमी और उसके परिवार के साथ ही समय बिताती थी। गुरुवार रात प्रेमी से ही बात करते हुए घर के बाहर निकली और ओवरब्रिज से कूद गई। मड़ियांव के कसाईबाड़ा निवासी मजदूर रामकिशन गौतम की बेटी शिल्पी गौतम (22) ने यह कदम उठाया। पुलिस के मुताबिक, घटना से पहले वह अपने प्रेमी से फोन पर बात कर रही थी। परिजनों का आरोप है कि बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। बहन लक्ष्मी ने बताया कि गुरुवार रात करीब 10 बजे पूरा परिवार एक साथ खाना खा रहा था। इसी दौरान शिल्पी मोबाइल लेकर घर से बाहर चली गई। वह अक्सर प्रेमी से बात करने के लिए बाहर निकल जाती थी, इसलिए किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिवार को लगा कि वह प्रेमी के घर चली गई होगी।परिजनों के अनुसार शिल्पी का पास के ही एक युवक से प्रेम संबंध था। परिवार की सहमति के बाद दोनों की शादी तय हो चुकी थी। नवरात्र में सगाई और अगले साल फरवरी में विवाह की तैयारी थी। लेकिन शिल्पी चाहती थी कि शादी अगले साल नहीं बल्कि इसी साल कर दी जाए।

उन्नाव के सदर तहसील परिसर में

शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के सदर तहसील परिसर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। सदर विधायक पंकज गुप्ता सहित प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

समाधान दिवस में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। उन्होंने भूमि विवाद, पैमाइश, विद्युत आपूर्ति, राजस्व संबंधी मामले और अन्य विभागों से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने सुनवाई के दौरान कहा कि शासन की मंशा के अनुसार प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि सदर तहसील में सबसे अधिक शिकायतें भूमि संबंधी विवादों और पैमाइश से संबंधित थीं। इन मामलों के निस्तारण के लिए उपजिलाधिकारी और राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, बिजली विभाग, रजिस्ट्री और अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों पर भी गंभीरता से कार्रवाई करने को कहा गया है।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी मौके पर जाकर शिकायतकर्ता से मिलें और उसकी उपस्थिति में समस्या का समाधान कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए और शिकायतकर्ता की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने भी लोगों की समस्याएं सुनीं और पुलिस विभाग से संबंधित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं को सीधे जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के सामने रखकर समाधान की उम्मीद जताई।

कार्यक्रम के दौरान तहसील परिसर में एक जागरूकता कार्यक्रम और विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अधिकारियों ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी में सरकारी योजनाओं, स्वरोजगार कार्यक्रमों और ग्रामीण विकास से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की गई थी। जिलाधिकारी ने विभागीय स्टॉलों पर पहुंचकर योजनाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को जन जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।

निर्माण को जेसीबी की मदद से गिरवा दिया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

तहसील प्रशासन ने बरदहा के मजरे बैजनाथखेड़ा, नमाखेड़ा तथा जमीपुर में बंजर जमीन पर बने निर्माण को जेसीबी की मदद से गिरवा दिया। इससे कब्जाधारक सकते में आ गए। बैजनाथखेड़ा मजरे बरदहा में ग्राम पंचायत की बंजर जमीन पर सुनील कुमार लोधी व रामचंद्र ने मकान बना लिए गए थे। जांच में निर्माण अवैध मिला था। शनिवार को प्रशासन ने दोनों अवैध निर्माण को ढहाकर ग्राम समाज की भूमि को मुक्त कराया। नमाखेड़ा निवासी जयप्रकाश सिंह द्वारा गाटा संख्या 41 बंजर भूमि पर भी निर्माण किया गया था, जिसको राजस्व टीम ने गिरवा दिया। जमीपुर निवासी राहुल सिंह ने भी बंजर भूमि पर भी मकान निर्माण करा लिया था। तहसील प्रशासन ने आधा मकान गिरा दिया, शेष मकान राहुल सिंह ने तीन दिन में गिरवा लेने की बात कही। नायब तहसीलदार विजय रंजन श्रीवास्तव ने बताया कि बंजर जमीन पर किए गए अवैध निर्माण को गिरवा दिया गया है। तहसील टीम में राजस्व निरीक्षक अजय सिंह, दिनेश कुमार, लेखपाल अनुराग श्रीवास्तव, सुलभ शुक्ला, विशाल और आयुष पटेल शामिल रहे।

कीटनाशक खाने से नौ कुत्ते मरे पशु चिकित्सक ने गांव पहुंचकर इलाज का प्रयास किया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जयघूसेश्वर बाबा आंट-घुसौली में चल रहे क्रिकेट टूनर्मिंट के के छठवें दिन 11वां मुकाबला अंकुर इलेवन और भदेवना इलेवन टीम के बीच खेला गया। इसमें अंकुर इलेवन ने भदेवना टीम को 93 रन से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया टॉस जीतकर अंकुर इलेवन ने पहले बल्लेबाजी की। टीम के बल्लेबाजों ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए भदेवना के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा और तेजी से रन बटोरे। निर्धारित 12 ओवर में नौ विकेट पर 181 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भदेवना की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। हालांकि बल्लेबाज विशाल ने 35 रनों की जुझारू पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की लेकिन दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल सका। परिणामस्वरूप पूरी टीम नौ ओवर में 88 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ अंकुर इलेवन ने टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। आयोजक वीरेंद्र राजपूत, लवकुश, सुरेंद्र राजपूत व सरवन आदि मौजूद रहे।।

सेवा के लिए एकत्र की गई राशन सामग्री ट्रक से रवाना

शुक्लागंज स्थित श्री अमरनाथ सेवा मंडल की शाखा ने अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए एकत्र की गई राशन सामग्री को ट्रक से रवाना किया। विधिवत पूजन-अर्चन के बाद ट्रक को रवाना किया गया, जिससे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल रहा और बाबा बर्फानी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। मंडल द्वारा राजधानी मार्ग स्थित मन्नी बिहारीपुरम के निकट स्थापित कलेक्शन सेंटर पर पिछले कई दिनों से श्रद्धालुओं और समाजसेवियों के सहयोग से भंडारे के लिए आवश्यक सामग्री एकत्र की जा रही थी। नगरवासियों ने आटा, चीनी, दाल, चायपत्ती, सरसों का तेल, नमक, दूध, रिफाइंड, कोल्ड ड्रिंक, दवाइयां सहित अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं दान कीं। मंडल पदाधिकारियों ने बताया कि यह सभी सामग्री अमरनाथ यात्रा मार्ग पर लगाए जाने वाले सेवा शिविरों और भंडारों में उपयोग की जाएगी। भेजी गई सामग्री का उपयोग अमरनाथ की पवित्र गुफा, बालटाल, पंचतरिणी तथा जम्मू स्थित यात्री निवासों में लगाए जाने वाले भंडारों में किया जाएगा, जहां हजारों श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। सुबह मंडल की ओर से श्रद्धालुओं और राहगीरों के लिए शरबत वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। भीषण गर्मी के बीच बड़ी संख्या में लोगों ने शरबत ग्रहण कर इस सेवा कार्य की सराहना की। उपस्थित लोगों ने इसे धार्मिक सेवा और मानवता की मिसाल बताया। विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद राशन सामग्री से लदे ट्रक को रवाना किया गया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने "बम-बम भोले" और "जय बाबा बर्फानी" के जयघोष लगाए। धार्मिक नारों के बीच ट्रक को अमरनाथ यात्रा मार्ग के लिए विदा किया गया। मंडल के पदाधिकारियों ने नगरवासियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि श्रद्धालुओं की सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। इस कार्यक्रम में मंडल के समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में सभी स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

घनश्याम मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने शहर के प्रमुख परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में 8, 9 और 10 जून को उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती (एनरोलमेंट-2025) लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसे सकुशल, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में शनिवार को जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने शहर के प्रमुख परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज और डॉ. जी. नाथ जी. दयाल बालिका इंटर कॉलेज, सिविल लाइंस का दौरा किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों, प्रवेश एवं निकास मार्गों, सीसीटीवी कैमरों, पेयजल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति तथा अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे चालू रहें। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने केंद्र व्यवस्थापकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता और सतर्कता के साथ करने को कहा गया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाएगी। परीक्षा अवधि के दौरान यातायात व्यवस्था को भी सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, जिससे अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापकों से परीक्षा संचालन की तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परीक्षा से संबंधित शासन और भर्ती बोर्ड के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाने को कहा गया।

शुक्रवार को वृहद वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की गई

उन्नाव के सरैयां रेलवे क्रासिंग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के लिए गर्डर स्थापित करने का कार्य तीसरे दिन भी तेज गति से जारी रहा। रेलवे और सेतु निगम के संयुक्त प्रयासों से शनिवार को ब्लॉक लेकर दो और गर्डर सफलतापूर्वक स्थापित किए गए। इस दौरान पूरी प्रक्रिया रेलवे अधिकारियों की निगरानी में सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए संपन्न हुई। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह 9:50 बजे से 11:50 बजे तक ब्लॉक लिया गया था। इस दौरान भारी क्रेन की मदद से दो विशाल गर्डरों को उनके निर्धारित स्थान पर रखा गया। तकनीकी रूप से जटिल इस कार्य को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने पहले से ही ट्रेनों के संचालन में आवश्यक बदलाव किए थे। निर्माण कार्य के चलते दूसरे दिन भी कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ। वंदे भारत एक्सप्रेस, आगरा इंटरसिटी, प्रयागराज इंटरसिटी और झांसी इंटरसिटी सहित कई ट्रेनों को कानपुर पुल बायां किनारा रेलवे स्टेशन पर कुछ समय के लिए रोका गया, जिसके बाद उन्हें आगे रवाना किया गया। इससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा, हालांकि रेलवे ने इसे आवश्यक निर्माण कार्य बताते हुए सहयोग की अपील की। रेलवे अधिकारियों के अनुसार सरैयां रेलवे क्रासिंग पर बन रहा यह ओवरब्रिज क्षेत्र की यातायात व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके बनने से रेलवे फाटक पर लगने वाला लंबा जाम काफी हद तक समाप्त हो जाएगा, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और आवागमन अधिक सुरक्षित व सुगम हो सकेगा।

निर्माण स्थल पर रेलवे, सेतु निगम और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी लगातार मौजूद रहे। सुरक्षा के मद्देनजर पर्याप्त पुलिस बल और कर्मचारियों की तैनाती की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि शेष गर्डरों को भी निर्धारित योजना के अनुसार चरणबद्ध तरीके से स्थापित किया जाएगा।

एनकाउंटर से चुनावी रण तक

विपक्ष पर लगातार हमलावर डिप्टी सीएम

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गाजीपुर एनकाउंटर की निष्पक्ष जांच का आश्वासन देते हुए सपा पर कानून-व्यवस्था और राजनीतिक मुद्दों पर निशाना साधा। उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और 2027 में भाजपा की जीत का दावा किया।

प्रयागराज में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने गाजीपुर एनकाउंटर मामले, विपक्ष के आरोपों, केंद्र सरकार के 12 साल के कार्यकाल और आगामी चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गाजीपुर एनकाउंटर से जुड़े सवालों पर सरकार गंभीर है। यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आती है, तो जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। डिप्टी सीएम केपी मौर्य ने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को कई बार कठोर कदम उठाने पड़ते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी मामले में परिवार या अन्य पक्ष शिकायत करता है, तो उसकी जांच भी कराई जाती है। उन्होंने दोहराया कि गाजीपुर एनकाउंटर मामले की भी जांच होगी। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सपा को कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल और विपक्ष की ओर से बेरोजगारी व महंगाई पर उठाए जा रहे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा है। उन्होंने जोर दिया कि जो वस्तुएं पहले विदेशों से आयात की जाती थीं, आज उनका निर्माण भारत में हो रहा है। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सत्ता से बाहर होने के बाद कुछ दल स्वयं 'बेरोजगार' हो गए हैं और इसी कारण सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य से सपा नेताओं की मुलाकात और गाय को राष्ट्रीय माता घोषित करने की मांग पर भी केशव मौर्य ने टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा केवल राजनीतिक लाभ के लिए ऐसे मुद्दे उठा रही है। उन्होंने गौ संरक्षण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाने को अनुचित बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने सपा सांसद डिंपल यादव के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। इसके अतिरिक्त, 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा एक बार फिर प्रदेश में सरकार बनाएगी और पार्टी कार्यकर्ता इसके लिए पूरी तैयारी में जुट चुके हैं।

गाजीपुर एनकाउंटर पर मंत्री निषाद भड़के, कहा-योगी से शिकायत करूंगा

यूपी के मंत्री संजय निषाद ने गाजीपुर के कमलेश बिंद एनकाउंटर पर सवाल उठाए हैं। कहा कि विनीत राय हत्याकांड में मुख्य आरोपी अभी बचे हुए हैं। उन पर भी ऐसी ही कार्रवाई करके दिखाएं। यह निषाद-बिंद समाज के साथ भेदभाव से भरा रवैया है। कुछ अधिकारी सरकार के खिलाफ माहौल बना रहे हैं। चुनावी साल में ऐसी घटनाएं नुकसानदायक साबित हो सकती हैं। इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी से शिकायत करूंगा। वहीं, डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने साफ कहा कि गाजीपुर एनकाउंटर की जांच होगी। किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आती है, तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, 29 मई की रात गाजीपुर में 4 बदमाशों ने होटल कारोबारी आलोक राय के बेटे विनीत राय की गोली मारकर हत्या कर दी थी। विनीत के पिता आलोक राय ने कटरा गैंग के सरगना शंकर पांडेय, सोनू यादव, कमलेश बिंद और मोनू त्रिपाठी पर केस दर्ज कराया था। 3 जून (बुधवार) की रात पुलिस ने कमलेश बिंद को एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। उस पर एक लाख इनाम था। इस केस में शंकर पांडेय, सोनू यादव और मोनू त्रिपाठी फरार हैं। शंकर पर एक लाख और बाकी दोनों आरोपियों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम है।

सैफई में शंकराचार्य का भव्य स्वागत

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज की यात्रा सैफई पहुंची। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव और मैनपुरी सांसद डिंपल यादव ने शंकराचार्य का स्वागत किया। विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। डिंपल यादव ने कहा- हम यादव वंशी लोग हैं। गाय हमारे लिए हमेशा से पूज्य रही है। उसे बचाने के लिए जो भी बन पड़ेगा, हम लोग करेंगे। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि आपकी इस लड़ाई में हम पूरे तरीके से साथ खड़े हैं। शुक्रवार को मैनपुरी में डिंपल यादव ने शंकराचार्य के सामने माथा टेका था। कन्नौज में शंकराचार्य को सड़क पर रात बितानी पड़ी थी, इसके लिए डिंपल ने उनसे माफी मांगी थी। शनिवार को सैफई के एक प्राइवेट स्कूल के परिसर में कार्यक्रम हुआ। इसमें सांसद आदित्य यादव, विधायक तेज प्रताप यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख मृदुला यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमलता यादव, अभयराम यादव समेत कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम स्थल पर लगी भगवान श्रीकृष्ण की 60 फीट ऊंची प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। डिंपल यादव ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का मंच पर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि सैफई में हम आपका अभिनंदन करते हैं, आपको प्रणाम करते हैं, आपको नमन करते हैं। पूरे सैफई के लोग आज यहां उपस्थित हैं। करहल, जसवंतनगर, किशनी से भी लोग आए हैं। आना तो बहुत लोग चाहते थे, पर हॉल छोटा है। बड़ा है, लेकिन फिर भी छोटा है।

संभल में 2 मंजिला मस्जिद बुलडोजर से ढहाई

संभल में शुक्रवार को सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद मुस्तफा कादरी को बुलडोजर से ढहा दिया गया। यह मस्जिद नखासा क्षेत्र के कसेरुआ गांव में कब्रिस्तान की जमीन पर बनी थी। पहले मस्जिद के आगे के हिस्से और पिलर को गिराया गया। इसके बाद 55 फिट ऊंची मीनार को क्रेन से खींचकर ढहा दिया गया। बुलडोजर एक्शन के बीच एसपी और डीएम भी मौके पर पहुंचे। मस्जिद की पहली मंजिल से 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर और हरे रंग का झंडा मिला। एसपी केके बिश्नोई ने कहा कि ऐसे पोस्टर छपवाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार कोर्ट के आदेश के बाद करीब 120 वर्गमीटर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। मस्जिद ढहाने के लिए नगर पंचायत सिरसी से दो बुलडोजर, डंपर-ट्रैक्टर के अलावा 20 सफाईकर्मी लगाए गए। इससे पहले मुस्लिम समाज के लोगों ने यहां नमाज अदा की। जिसके बाद प्रशासन की टीम ने शीशे और गेट हटवाने की कार्रवाई की। पुलिस ने मस्जिद के आसपास के घरों को खाली कराया। गांव में सुरक्षा को देखते हुए 100 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।